उपलब्धि रांची में आयोजित चौथी साउथ एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर चर्चा में आए समरदीप से नवदुनिया की खास बातचीत

कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण ने बनाया सफल एथलीट

ललित नारायण कटारिया ● नवदुनिया

भोपाल: देश में खेल का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, इसके साथ ही खेल से जुड़ी प्रतिभाएं भी अपने अपने स्तर पर संभावनाएं तलाश रही हैं। शहर की एक ऐसी ही प्रतिभा है समरदीप सिंह गिल, जिसका लक्ष्य ओलिंपिक में देश के लिए पदक जीतना है।

समरदीप ने अभी हाल में ही राची में आयोजित चौथी साउथ एशियन चैंपियनशिप में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतकर चर्चा में आए है। समरदीप वैसे 2026 के एशियन गेम्स और राष्ट्रकुल खेलों के लिए वह पहले ही क्वालीफाइ कर चुके है। समरदीप ने कहा कि मेरे प्रशिक्षक में मुझे ईमानदारी से मेहनत करने का गुरुमंत्र दिया है। मैं उनकी तथा अन्य सभी लोगों की उम्मीदों पर

उगता सूरज नवदुनिया

खरा उतरना चाहता हूं, जो मुझ पर विश्वास कर रहे और प्रोत्साहित कर रहे है। समरदीप मप्र राज्य एथलेटिक्स अकादमी के प्रशिक्षक संदीप सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। रतलाम के रहने वाले समरदीप ने बहुत ही कम समय में देश और प्रदेश के कई पदक जीते है।

समरदीप का लक्ष्य ओलिंपिक में भाग लेना और साथ ही पदक जीतना भी है। चार साल पहले भोपाल स्थित मप्र राज्य एथलेटिक्स अकादमी में आए इस होनहार खिलाड़ी ने अपनी मेहनत और लगन से देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। समरदीप ने बताया कि मुझे खेलों से बहुत प्यार है, मेरी कद काठी ने मुझे शाटपुट खेलने के लिए प्रेरित किया है, मेरे पिता के दोस्त में इसमें मेरी बहुत मदद की है। मेरी किस्मत अच्छी थी कि समय मेरा चयन मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के लिए हो गया और अच्छे अधिकारी व प्रशिक्षक भी मिल गए। जिन्होंने मेरे भीतर के एथलीट को पहचाना और अवसर पर अवसर दिए। आज मुझे देश के शीर्ष शटपुट खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है, इसमें सबसे बड़ा योगदान मेरे परिवार और प्रशिक्षकों को जाता है। 2028 का लास एंजेलिस ओलिंपिक में पहुंचना मेरा लक्ष्य है। समरदीप ने बरकतउल्ला विवि में बीपीई करने के बाद अब भुवनेश्वर में एमपीई कर रहा है।

एथलीट समरदीप सिंह गिल। ● सौजन्य: स्वयं

प्रशिक्षक का भरोसा उम्मीदों पर खरा उतरेगा समरदीप

प्रशिक्षक संदीप सिंह ने बताया कि समरदीप बहुत ही जिज्ञासु, मेहनती और अनुशासित एथलीट है। वह हमेशा कुछ ना कुछ सीखना चाहता है। उसे जितना लक्ष्य दिया जाता है, वह उससे ज्यादा करने की कोशिश करता है। हमेशा अनुशासन में रहता है। मेरा भी मानना है कि यदि जो खिलाड़ी अनुशासन में रहेगा वहीं आगे सफलता प्राप्त करेगा। समरदीप में बहुत प्रतिभा है, वह पिछले कई सालों से साबित कर रहा है। वह धीरे धीरे अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ रहा है। चेन्नई में आयोजित 64वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सभी की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए स्वर्ण पदक जीता। समरदीप ने 19.82 मीटर दूर गोला फेंका है